ऑन-लाइन कौशल विकास कार्यक्रम

एक्वेरियम तकनीशियन-पूर्व ज्ञान की मान्यता

एक्वेरियम की दुकान के मालिकों और एक्वेरियम सेवा प्रदाताओं के लिए ऑन-लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से एक प्रमाणित एक्वेरियम व्यापारी और एक्वेरियम सेवा प्रदाता बनने का अवसर

यह एक कौशल विकास कार्यक्रम है जो व्यक्तियों के पूर्व ज्ञान, अनुभव और कौशल का प्रमाणिकरण करता है

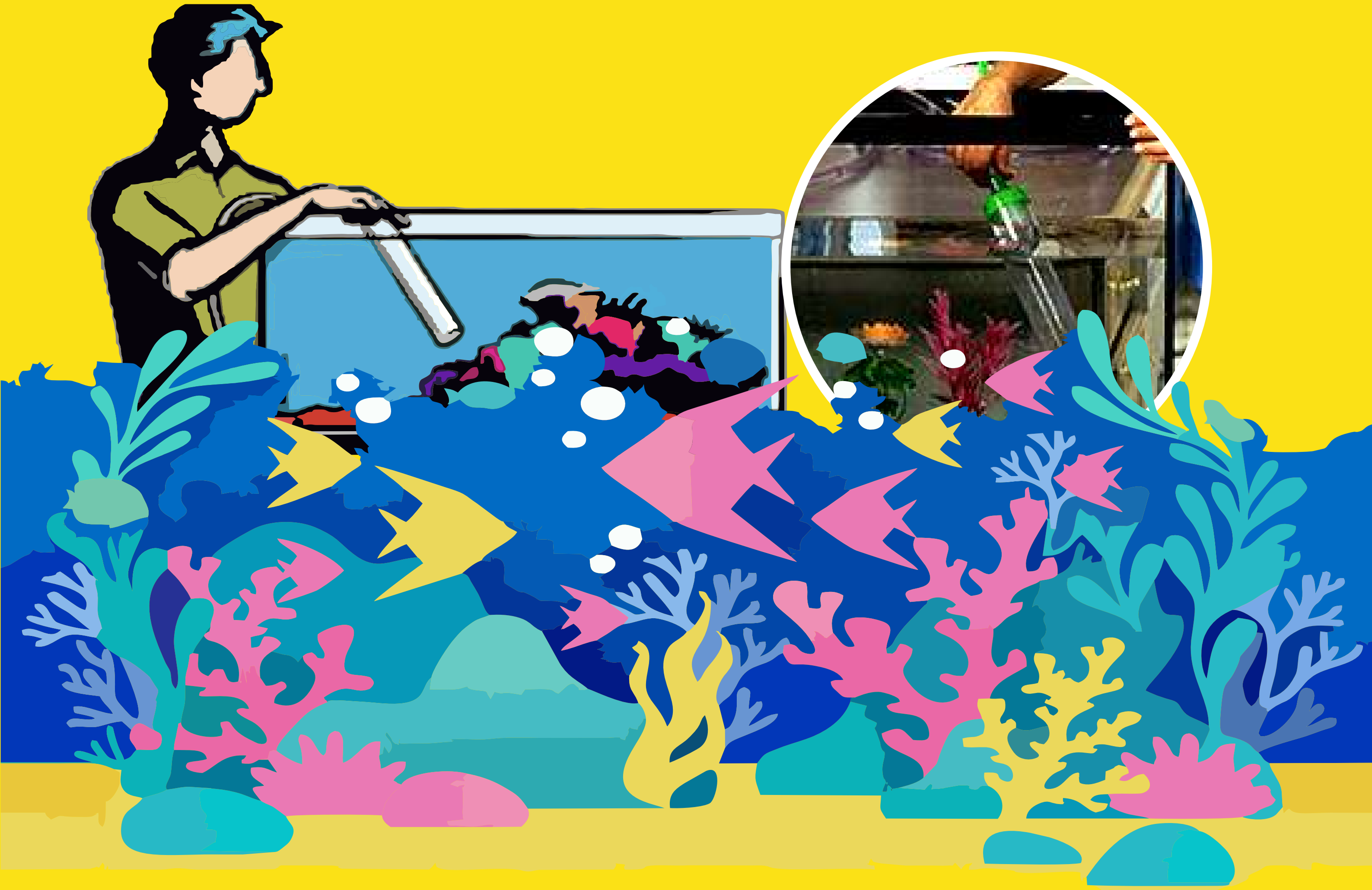

मान्यता

भारतीय कृषि कौशल परिषद

(राष्ट्रीय कौशल विकास निगम)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय,

भारत सरकार

आयोजक

अलंकारिक मात्स्यिकी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

उदयपुर-313001, राजस्थान

सह-आयोजक

एक्वा-वन-सेंटर

(ट्रॉपिकल एक्वाकल्चर & फार्मिंग सिस्टमस)

उदयपुर-३१३००१, राजस्थान

ASCI Agriculture Skill Council of India | FRI | MANAGE मैनेज | N·S·D·C National Skill Development Corporation | NFDB | TAFS

1. पृष्ठभूमि

अलंकारिक मछली पालन देश में एक बहुत लोकप्रिय शौक बन गया है और बहुत तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में युवाओं ने " एक्वेरियम की दुकानें" स्थापित की हैं और " एक्वेरियम सेवा प्रदाता" भी बन गए हैं। इनमें से कुछ या तो योग्य पेशेवर हैं या अपना उद्यम शुरू करने से पहले कुछ विषय विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। लेकिन उनमें से कई ने अपने कार्य अनुभव के आधार पर ही व्यवसाय में कदम रखा हैं। उनके पास काम करने के लिए पर्याप्त व्यावहारिक अनुभव है लेकिन एक्वेरियम मछली के रख-रखाव के विज्ञान की बुनियादी जानकारी की कमी है। यह सजावटी मछली रखने के शौक को बढ़ावा देने के साथ-साथ अपने स्वयं के विकास के लिए भी बहुत हानिकारक है। ऐसे एक्वेरियम व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को इस विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होने में असुविधा होती है जो समय-समय पर कई संस्थानों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं क्योंकि पहले तो वे लंबे समय तक व्यवसाय को छोड़ नहीं पाते हैं और दूसरा प्रशिक्षण केंद्रों की दूरी।

अलंकारिक मात्स्यिकी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, उदयपुर ने एक पहल की और इस समस्या के समाधान के लिए भारतीय कृषि कौशल परिषद (भा कृ कौ प) से संपर्क किया। तदोपरान्त परिषद ने अलंकारिक मत्स्य पालन में विषय वस्तु विशेषज्ञों के परामर्श से उन एक्वेरियम व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं हेतु जो कि व्यवसाय का व्यावहारिक अनुभव रखते है "एक्वेरियम तकनीशियन" विषय पर एक ऑन-लाइन प्रशिक्षण-प्रदान करने के लिए 12 घंटे का पाठ्यक्रम विकसित किया।

2. उद्देश्य

एक्वेरियम व्यापार को बढ़ावा देने तथा सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए मौजूदा एक्वेरियम व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं के पूर्व अनुभव और ज्ञान को पहचानना एवं प्रमाणीकरण ।

3. प्रशिक्षण के लाभ

क. इच्छुक मौजूदा एक्वेरियम व्यापारी और सेवा प्रदाता अपनी दिन-प्रतिदिन की व्यावसायिक गतिविधियों को बाधित किए बिना अपने कार्यस्थल से प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

ख. कौशल को बढ़ावा और सजावटी मछली पालन की बुनियादी वैज्ञानिक और प्रबंधन अवधारणाओं के बारे में जानकारी।

ग. सफल समापन पर राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार) से प्रमाण पत्र तथा सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद ।

4. प्रशिक्षण की विधि

निर्दिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल में 3-4 दिनों की अवधि में 12 घंटे का कक्षा सत्र शामिल है। यह ऑन-लाइन प्रणाली में पर्याप्त नहीं हो सकता है और प्रतिभागियों को मूल्यांकन के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, संपूर्ण प्रशिक्षण मॉड्यूल निम्नलिखित पांच चरणों में लागू किया जाएगा।

चरण-1

दिवस-1

चयनित उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा और पंजीकरण और मूल्यांकन शुल्क के भुगतान पर पंजीकरण की पुष्टि की जाएगी।

चरण-2

दिवस-2

प्रतिभागियों को सुबह यूनिट-1 की पाठ्य सामग्री वितरित की जाएगी।

दिवस-3

प्रतिभागियों को शाम को यूनिट-1 की स्व-मूल्यांकन प्रश्नावली दी जाएगी

दिवस-4

प्रतिभागियों को सुबह यूनिट-2 की पाठ्य सामग्री वितरित की जाएगी।

दिवस-5

प्रतिभागियों को शाम को यूनिट-2 की स्व-मूल्यांकन प्रश्नावली दी जाएगी

दिवस-6

प्रतिभागियों को सुबह यूनिट-3 की पाठ्य सामग्री वितरित की जाएगी।

दिवस-7

प्रतिभागियों को शाम को यूनिट-3 की स्व-मूल्यांकन प्रश्नावली दी जाएगी

दिवस-8

प्रतिभागियों को सुबह यूनिट-4 की पाठ्य सामग्री वितरित की जाएगी।

दिवस-9

प्रतिभागियों को शाम को यूनिट-4 की स्व-मूल्यांकन प्रश्नावली दी जाएगी

चरण-3

दिवस-10

4 घंटे के पहले कक्षा सत्र में 60 मिनट के 4 व्याख्यान (10.00 -14.00 बजे) और

एनएसडीसी पोर्टल पर उम्मीदवारों का पंजीकरण

दिवस-11

4 घंटे के दूसरे कक्षा सत्र में प्रत्येक 60 मिनट के 4 व्याख्यान (10.00 से 14.00 बजे तक)

दिवस-12

4 घंटे के तीसरे कक्षा सत्र में प्रत्येक 60 मिनट के 4 व्याख्यान (10.00 से 14.00 बजे तक)

चरण-4

दिवस-13

भारतीय कृषि कौशल परिषद (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम) की एक आकलन एजेंसी द्वारा मूल्यांकन-10.00-12.00 बजे।

मूल्यांकन में शामिल होंगे:

क. बहुविकल्पीय प्रश्नों (25-30 संख्या) के साथ 45 मिनट की ऑनलाइन लिखित परीक्षा

ख. मौखिक परीक्षा (10 मिनट)।

ग. व्यावहारिक परीक्षा: एक गतिविधि का प्रदर्शन और कुछ व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर (15 मिनट)।

चरण-5

राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद द्वारा सफल उम्मीदवारों को प्रमाणपत्र जारी करना (इसमें 6-7 दिन का समय लग सकता है)।

कार्यक्रम संचालक:

डॉ. अतुल कुमार जैन

निदेशक,

अलंकारिक मात्स्यिकी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

उदयपुर-313001, राजस्थान

ईमेल: atulsalinewater@yahoo.co.in

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

सुश्री सुषमा कुमारी : 8825189074

डॉ. अभिनिका जैन: 9672108553

5. पात्रता:

क. आयु: 18 वर्ष न्यूनतम

ख. योग्यता : 8वीं पास

ग अनुभव: एक्वैरियम व्यापारी या सेवा प्रदाता के रूप में दो साल का कार्य अनुभव (दुकान के लेटर हेड पर स्वघोषणा)

घ अन्य : अनिवार्य रूप से एक वेब कैम या एंड्रॉइड फोन के साथ लैपटॉप/डेस्क टॉप और एक इंटरनेट कनेक्शन। जूम मीटिंग से परिचित। बुनियादी एक्वेरियम रखने की सुविधा (व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए) रखें।

6. प्रशिक्षण शुल्क : कुल रु. 5000/- (रुपये पांच हजार) केवल (पाठ्यक्रम की सॉफ्ट कॉपी और मूल्यांकन शुल्क रु। 900/- सहित)

7. सीटों की संख्या : 30 प्रति बैच

8. पंजीकरण

क. ऑनलाइन प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवार निम्नलिखित लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं:
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfoj4euRZwbojrTTxQtOWYuhgdiLAxwi1_PlAuYweFz--YsWA/viewform

ख. कार्यक्रम के लिए चुने गए उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से या तो टेलीफोन या ई-मेल से सूचित किया जाएगा।

ग. चयनित उम्मीदवारों को एक निश्चित समय के भीतर पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान करना होगा और शुल्क के भुगतान के बाद ही पाठ्यक्रम में प्रवेश की पुष्टि की जाएगी।.

9. प्रशिक्षण की अवधि: फॉर्म के साथ दिए गए प्रशिक्षण कैलेंडर में से चुनें

10. प्रशिक्षण की भाषा: हिंदी या अंग्रेजी (पंजीकरण फॉर्म भरते समय किसी एक का चयन करें)

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय संचालन मानकों और योग्यता पैक (एनओएस-क्यूपी) के अनुसार 4 इकाइयां शामिल होंगी: एजीआर/क्यू 5108 को भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा एक्वेरियम तकनीशियन की भूमिका के लिए तैयार किया गया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्रमांक	विषय
1.0	**इकाई-1: परिचय**
1.1	एक्वैरियम व्यापार का परिचय
1.2	एक्वेरियम तकनीशियन की भूमिका और प्रगति के अवसर
1.3	एक्वेरियम टैंक का निर्माण
1.4	मीठे पानी की सजावटी मछलियों की पहचान
2.0	**इकाई-2: मीठे पानी के एक्वेरियम की स्थापना और प्रबंधन**
2.1	मछलियों का चयन
2.1	मीठे पानी के एक्वेरियम की स्थापना और रखरखाव
2.3	जलीय पौधे का मछलीघर
2.4	मछली रखने के लिए उद्यान तालाब
3.0	**इकाई-3: समुद्री एक्वेरियम की स्थापना और प्रबंधन**
3.1	समुद्री सजावटी मछलियां
3.2	समुद्री अकशेरुकीय जीव
3.3	समुद्री एक्वेरियम की स्थापना
3.4	समुद्री एक्वेरियम का रखरखाव
4.0	**इकाई-4: एक्वेरियम मछलियों का स्वास्थ्य, स्वच्छता और परिवहन**
4.1	एक्वेरियम मछलियों के स्वास्थ्य की निगरानी
4.2	एक्वेरियम मछलियों की जैव सुरक्षा और संगरोध (क्वारेंटाइन)
4.3	एक्वेरियम मछलियों की पैकेजिंग और परिवहन
4.4	एक्वेरियम तकनीशियन के लिए आचार संहिता

अलंकारिक मात्स्यिकी प्रशिक्षण एंव अनुसंधान संस्थान

ग्राम वीरपुरा, तहसील सराडा, जिला उदयपुर, राजस्थान–313905, भारत

Ornamental Fisheries Training and Research Institute

Udaipur-313001, Rajasthan, India